SET-3

Series: DPRPR

Code No. 3/4/3

Roll No. | | | | | | | |

परीक्षार्थी कोड को उत्तर–पुस्तिका के मुख–पृष्ठ पर अवश्य लिखें।

- **नोटः–** कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न–पत्र में मुद्रित पृष्ठ **4** हैं।
- प्रश्न–पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए प्रश्न–पत्र कोड को छात्र उत्तर–पुस्तिका के मुख–पृष्ठ पर लिखें।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न–पत्र में **8** प्रश्न हैं।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, उत्तर–पुस्तिका में प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।**
- इस प्रश्न–पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है। प्रश्न–पत्र कर वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा। 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न–पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर–पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।

हिन्दी (HINDI)

पाठ्यक्रम (COURSE-A)

संकेत एवं उत्तर (HINTS & SOLUTIONS)

निर्धारित समय : 2 घण्टे **अधिकतम् : 40**

सामान्य निर्देश :

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका सख़्ती से अनुपालन कीजिएः

(i) इस प्रश्न–पत्र में कुल सात प्रश्न हैं।

(ii) इस प्रश्न–पत्र में कुल दो खंड है – खंड – क और खंड –ख। सभी प्रश्न अनिवार्य है। यथासंभव सभी प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार लिखिए।

(iii) लेखन कार्य में स्वच्छता का विशेष ध्यान रखिए।

(iv) खंड–क में कुल 3 प्रश्न है। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए इनके उपप्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(v) खंड–ख में कुल 4 प्रश्न है। सभी प्रश्नों के साथ विकल्प भी दिए गए है। निर्देशानुसार विकल्प का ध्यान रखते हुए चारों प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड 'क' (पाठ्य पुस्तक व पूरक पाठ्य पुस्तक)

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 25-30 शब्दों में लिखिए– **2 × 4 = 8**

(क) 'मानवीय करूणा की दिव्य चमक' पाठ के आधार पर फादर कामिल बुल्के के व्यक्तित्व के किन्ही दो पहलुओं का उल्लेख कीजिए, जिससे आप प्रभावित हैं। इस प्रभाव के उपयुक्त कारण भी स्पष्ट कीजिए। **(2)**

उत्तर फादर कामिल बुल्के एक विदेशी होते हुए भी भारत में आकर बस गए थे। उनका व्यक्तित्व बहुत ही प्रभावपूर्ण था स्वभाव से वे साधु–गुणों से युक्त थे वे भारत की प्राचीन सभ्यता और संस्कृति, यहाँ के ज्ञान समाज से प्रभावित थे वास्तव में एक सच्चे निष्काम कर्मयोगी थे। उनका हृदय मानवीय करुणा एवं वात्सल्य की भावना से ओत–प्रोत था। अपने प्रियजनों के प्रति ममता एवं अपनत्व का गहरा भाव था। उनके व्यक्तित्व में मानवीय करुणा की दिव्य चमक थी। उनका सबके प्रति दया और सहयोग का भाव, मित्रवत व्यवहार, सदैव प्रसन्नचित रहना, सभी के कल्याण की भावना रखना और हिंदी को समृद्धशाली बनाए रखने के लिए प्रयत्नशील रहना ये विशेषताएँ उनके व्यक्तित्व की छवि को अनुपम रूप प्रदान करती हैं।

(ख) 'मानवीय करूणा की दिव्य चमक' पाठ के आधार पर बताइये कि लेखक को ऐसा क्यों लगता है कि फादर कामिल बुल्के मन से सन्यासी नहीं थे। क्या आप उससे सहमत हैं? अपने उत्तर के पक्ष में उचित तर्क दीजिए। **(2)**

उत्तर फादर बुल्के एक संन्यासी थे, परंतु पारंपरिक अर्थ में हम उन्हें संन्यासी नहीं कह सकते क्योंकि संन्यासी के रूप में उनकी एक नवीन छवि ही हमारे सामने उभरकर आती है। वे परंपरागत ईसाई पादरियों या भारतीय संन्यासियों से भिन्न थे। वे संकल्प से संन्यासी थे, मन से नहीं। उनका जीवन नीरस नहीं था। व्यवहार और कर्म से संन्यासी होते हुए भी अपने परिचितों के साथ वे गहरा लगाव रखते थे। वे सभी के परिवारों में आते–जाते रहते थे, उत्सवों एवं समारोहों में भाग लेते थे तथा पुरोहित की तरह आशीष देते थे। दुःख की स्थिति में वे लोगों को सांत्वना देते थे, उनके प्रति सहानुभूति प्रकट करते थे। संकट की स्थिति में वे देवदार वृक्ष के समान खड़े रहते थे। वे आत्मनिर्भरता के उद्देश्य से कॉलेज में अध्ययन एवं अध्यापन भी करते थे। इस तरह उनकी छवि परंपरागत संन्यासी की तरह नहीं थी।

(ग) 'लखनवी अंदाज' पाठ में लेखक ने नवाब साहब की किस प्रकार की सनक का परिचय दिया है? ऐसी सनक के क्या–क्या परिणाम हो सकते हैं? उदाहरण के साथ स्पष्ट कीजिए। **(2)**

उत्तर 'लखनवी अंदाज' पाठ में खीरे के संबंध में नवाब साहब के व्यवहार को उनकी सनक कहा जा सकता है। सनक का सकारात्मक रूप भी हो सकता है। सनक को पूर्ण आत्मविश्वास के साथ किसी काम को करने की लगन या धुन के साथ जोड़ा जा सकता है इतिहास में ऐसी सनकों के अनगिनत उदाहरण मिलते हैं, जैसे– स्वामी विवेकानंद को ज्ञान प्राप्त करने की सनक, महात्मा बुद्ध को जीवन का सत्य खोजने की सनक, चाणक्य को नंद वंश का समूल विनाश करने की सनक, भगतसिंह को देश पर मर–मिटने की सनक, महात्मा गाँधी को देश आजाद कराने की सनक आदि। ये ऐसे उदाहरण हैं जो उसके सकारात्मक पक्ष को पुष्ट करते हैं।

(घ) 'लखनवी अंदाज' पाठ के आधार पर बताइये कि नवाब साहब को खीरे खाने की तैयारी करते देख लेखक ने क्या सोचा? उसके मन में कौन–सी इच्छा जगी और नवाब साहब के पूछने पर उसने खाने से क्यों मना कर दिया? **(2)**

उत्तर लेखक नवाब साहब द्वारा खीरा इस्तेमाल करने के विचित्र तरीके पर गौर कर रहे थे। नवाब साहब ने अत्यंत परिश्रम और यत्न से काटे गए खीरे की फाँकों पर नमक–मिर्च छिड़का और फाँकों को होठों तक ले जाकर सूँघते हुए पेट भरने या संतुष्टि का अभिनय किया और फिर खीरे की फाँकों को खिड़की से बाहर फेंक दिया। वे इस बात पर गौर कर रहे थे कि क्या किसी खाने की वस्तु को केवल सूँघकर फेंक देने से उसका स्वाद या आनंद लिया जा सकता है? उनकी नजर में स्वाद का बोध कराने का काम जिह्वा का है जो खाने से ही हो सकता है।

नवाब साहब ने करीने से सजी खीरे की फाँकों पर नमक मिर्च छिड़ककर लेखक से खाने के लिए आग्रह किया तो लेखक ने साफ मना कर दिया। जबकि लेखक खीरे खाना चाहता था। इसका कारण यह था लेखक पहली बार नवाब साहब को खीरा खाने के लिए मना कर चुका था।

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही तीन प्रश्नों के उत्तर 25-30 शब्दों में लिखिए : 2 × 3 = 6

(क) इस सत्र में पढ़ी गई किस कविता में कवि ने बादलों के विविध रूपों का चित्रण किया है? उनका वर्णन अपने शब्दों में कीजिए। **(2)**

उत्तर 'उत्साह' कविता में कवि ने बादलों की ललित कल्पना और क्रांति चेतना जैसे भिन्न–भिन्न रूपों में चर्चा की है। एक ओर तो बादलों को पीड़ित–प्यासे लोगों की आशाओं और आकांक्षाओं को पूरा करने वाला बताया गया है तथा दूसरी ओर उन्हें विध्वंस (नष्ट), विप्लव (विद्रोह) और क्रांति चेतना के प्रतीक के रूप में बताया गया है। बादलों को ओज तथा जोश के साथ गरजने को कहा गया है, क्योंकि बादल क्रांति के सूचक हैं। बादलों के हृदय में वज्र के समान विनाश करने का उपकरण निहित है, जो नव सृष्टि के निर्माण में सहायक है।

(ख) 'कन्यादान' कविता में माँ की परम्परागत छवि से हटकर नए दृष्टिकोण से विचार किया गया है। उसमें नया क्या है? आप उन विचारों से कहाँ तक सहमत हैं और क्यों? **(2)**

उत्तर 'कन्यादान' कविता की माँ परंपरागत माँ से पूरी तरह भिन्न दिखाई देती है। परंपरागत माँ के हृदय में भी अपनी लाड़ली बेटी के लिए ममता समाहित थी, किंतु उस समय के परिवेश के अनुसार माँ बेटी को जीवन से समझौता करते हुए स्वयं को ससुराल के अनुसार ढाल लेने की सीख देती थी और त्याग का जो पाठ पढ़ाती थी, उसमें शोषण के विरुद्ध आवाज न उठाकर सहनशील बने रहने की नसीहत तथा कठोर सच्चाइयों व चुनौतियों के आगे समर्पण कर देने का संदेश निहित होता था, किंतु अब परिवेश बदल गया है और युग की मांग के अनुसार कविता की माँ बेटी को ससुराल में अपने व्यक्तित्व को न खोने से बचाने की सीख देती है और साथ ही उसे शोषण को न सहने, लुभावने शब्दों से सचेत रहने, पोशाकों–आभूषणों में ही मुग्ध न रहने तथा कभी जीवन से निराश न होने का संदेश भी देती है।

(ग) 'आग' के विषय में माँ बेटी को क्या समझा रही है और क्यों? 'आग' के संकेत से कविता किस सामाजिक बुराई की ओर भी इशारा करती है? उल्लेख कीजिए। **(2)**

उत्तर माँ ने बेटी को सचेत करना इसलिए जरूरी समझा है कि वह भी अनेक अन्य बहुओं की तरह किसी की आग में अपना जीवन न खो दे। उसे किसी भी अवस्था में कमजोर नहीं बनना चाहिए। उसे कष्ट देने की कोशिश करने वालों के सामने उठ कर खड़ा हो जाना चाहिए। कोमलता नारी का शाश्वत गुण है पर आज की परिस्थितियों में उसे कठोरता का पाठ अवश्य पढ़ लेना चाहिए ताकि किसी प्रकार की कठिनाई आने की स्थिति में उसका सामना कर सके।

(घ) फागुन की सुंदरता में ऐसा अलग और अनोखा क्या है कि कवि की आँख उससे हट नहीं रही है? 'अट नहीं रही है' कविता के आधार बताइए। **(2)**

उत्तर फागुन मास में प्रति की शोभा देखते ही बनती है। वसंत के आगमन से सर्वत्र हरियाली छा जाती है। वृक्ष, पेड़–पौधे नव–पल्लव एवं पुष्पों से भर जाते हैं। भंवरें गुंजार करने लगते हैं। वातावरण सुगंध से भर उठता है। शीतल, मंद, सुगंध से युक्त हवा बहने लगती है। पर्यावरण प्रफुल्लित हो उठता है। सर्वत्र उल्लास एवं उत्साह का संचार होने लगता है।

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर 60 शब्दों में लिखिए : **3 × 2 = 6**

(क) 'साना–साना हाथ जोड़ि' पाठ के आधार पर बताइए कि पहाड़ के सौंदर्य पर मंत्रमुग्ध लेखिका पहाड़ों पर किस दृश्य को देख क्षुब्ध और परेशान हो उठती हैं? क्या आपने भ्रमण या पर्यटन के दौरान ऐसे दृश्य देखे हैं, ऐसे दृश्यों और अपने मन पर पड़े उनके प्रभाव को अपने शब्दों में लिखिए। **(3)**

उत्तर लेखिका ने यह बात उन स्त्रियों को देखकर कही है जो पहाड़ों के भारी–भरकम पत्थरों को तोड़कर रास्ता बनाने का श्रमसाध्य कार्य करने में लगी रहती हैं। उन्हें बहुत कम पैसा मिलता है, पर वे देश–समाज को बहुत अधिक लौटा देती हैं। देश की आम जनता भी देश की प्रगति में भरपूर योगदान करती हैं और उसे उतना नहीं मिल पाता जितने की वह हकदार होती है। देश के श्रमिक एवं किसान देश की प्रगति के लिए अनेक प्रकार के कार्यों के द्वारा अपना सहयोग देते हैं। यदि वे कार्य न करें तो देश प्रगति की राह पर आगे नहीं बढ़ सकता। उसके अलावा अन्य लोगों की भी बहुत बड़ी भूमिका है। देश की प्रगति में प्रत्येक नागरिक की भी अहम भूमिका हैं । वह अपने वेतन व सुख–सुविधाओं की परवाह किए बिना देश की प्रगति के लिए अपना सहयोग देते हैं। देश के किसान भी धूप, सर्दी की परवाह किए बिना सबके लिए अन्न उगा कर सहयोग करते हैं। देश का फौजी व वैज्ञानिक भी कम वेतन पर पूर्ण निष्ठा से सेवा कर प्रगति के नये रास्ते खोलता है।

(ख) वात्सल्य और ममता की आधार–भूमि एक रहने पर भी माता–पिता और बच्चों के सम्बन्धों में तब से अब तक बहुत बदलाव हुए हैं। 'माता का आँचल' पाठ के आधार पर इसे सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। **(3)**

उत्तर– भोलानाथ को माता व पिता दोनों से बहुत प्रेम मिला है। उसका दिन पिता की छत्रछाया में ही शुरू होता है। पिता उसकी हर क्रीड़ा में सदैव साथ रहते हैं, विपदा होने पर उसकी रक्षा करते हैं। परन्तु जब वह साँप को देखकर डर जाता है तो वह पिता की छत्रछाया के स्थान पर माता की गोद में छिपकर ही प्रेम व शान्ति का अनुभव करता है।

यह सही है कि इस कहानी में बच्चों का अपने पिता के साथ अधिक जुड़ाव दिखाया गया है। लेकिन बच्चे अपने पिता और माता को अलग–अलग नजरिये से देखते हैं। जब उन्हें अत्यधिक असुरक्षा की भावना घेर लेती है तो वे अपनी माँ से सहारे और सांत्वना की उम्मीद करते हैं। पिता से बच्चे बाहरी दुनिया के बारे में सीखने को अधिक उत्सुक रहते हैं। माँ ममता और स्नेह की मूर्ति मानी जाती है। शायद इसलिए वह बच्चा विपदा के समय अपनी माँ की शरण में जाता है।

(ग) 'जॉर्ज पंचम की नाक' पाठ के आधार पर बताइए कि जॉर्ज पंचम की लाट की नाक की तलाश में मूर्तिकार किन–किन जगहों पर गया। किसी भी भारतीय स्वतंत्रता सेनानी की नाक मूर्ति की नाक से बड़ी होने का तात्पर्य क्या है? अपने शब्दों में स्पष्ट कीजिए। **(3)**

उत्तर जॉर्ज पंचम की लाट की नाक को पुनः लगाने के लिए मूर्तिकार ने निम्नलिखित यत्न किए–

मूर्तिकार ने जर्ज पंचम की मूर्ति की नाक के पत्थर की किस्म का पता करने की कोशिश की।

पत्थर की किस्म का ठीक पता नहीं चलने पर उसने हिंदुस्तान के हर पहाड़ पर जाकर ऐसा ही पत्थर खोजने की कोशिश की। मूर्तिकार भारतीय नेताओं की मूर्तियाँ देखने के लिए देश में जगह–जगह घूमा ताकि उनकी नाक को काटकर लाट की नाक पर लगाया जा सके।

उसने बिहार सेक्रेटरिएट के सामने सन् बयालीस में शहीद होने वाले बच्चों की मूर्तियों की नाकों को भी देखा और जॉर्ज पंचम की मूर्ति पर लगाने की कोशिश की।

अंत में उसने जिंदा व्यक्ति की नाक काटकर जर्ज पंचम की लाट पर लगा दी।

जॉर्ज पंचम की लाट पर किसी भी भारतीय नेता, यहाँ तक कि भारतीय बच्चे की नाक फिट न होने की बात से लेखक का संकेत है कि जिस जॉर्ज पंचम की नाक के लिए सरकारी तंत्र के सभी हुक्काम चिंतित थे उसकी नाक तो अपने देश, देश के लिए शहीद हुए बच्चों की नाक से भी छोटी थी। इस तरह जॉर्ज पंचम की स्थिति गोखले, तिलक, शिवाजी, गाँधी, पटेल, बोस की तुलना में नगण्य थी।

खण्ड 'ख' (रचनात्मक लेखन)

4. दिए गए विषयों में से किसी एक विषय पर संकेत –बिन्दुओं के आधार पर लगभग 150 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए– **1 × 5 = 5**

(क) कोरोना काल के सहयात्री
- कोरोना महामारी का आरंभ और प्रसार
- गत दो वर्षो में जीवन का स्वरूप
- जीवन – यात्रा में साथ देने वाले व्यक्ति और वस्तुएँ

(ख) पॉलीथिन थैलियों पर अनिवार्य प्रतिबंधः
- पॉलीथिन थैलियों का प्रचलन प्रसार
- प्रतिबंध की आवश्यकता
- सरकार और आम आदमी के सहयोग

उत्तर प्लास्टिक थैलियों के बढ़ते प्रयोग से हमारे पशु–पक्षी, पेड़–पौधे और इंसान सभी को बहुत नुकसान पहुंचा है। भूमि प्रदूषण से वन क्षेत्रें को बहुत नुकसान हो रहा है। हम लोग अक्सर पॉलिथीन को उपयोग में लेने के बाद में कूड़े में वैसे ही फेंक देते हैं। इससे जो जानवर हैं वो उन थैलियों को भोजन के रूप में ग्रहण कर लेते हैं। जिसके कारण उनकी असमय मौत हो जाती है। सभी के जीवन में पॉलिथीन का बहुत गलत प्रभाव पड़ रहा है। पॉलिथीन मनुष्य के शरीर के अंदर सी खतरनाक बीमारियों को जन्म देती है।

हमारे वातावरण में दिन–प्रतिदिन प्रदूषण की समस्या बढ़ती जा रही है और औद्योगिक क्रांति के समय से इसमें काफी तेजी से इजाफा हुआ है। दुनिया भर में कारखानो और वाहनो की बढ़ती संख्या के वजह से पिछले कुछ दशको में प्रदूषण का स्तर कई गुना बढ़ गया है। जहां एक तरफ वाहनो और कारखानो से निकलते धुंए ने हवा को प्रदूषित करके हमारे लिये सांस लेना भी मुश्किल कर दिया है, वही दूसरी तरफ उद्योगो और घरो से निकलने वाले कचरे ने जल और भूमि प्रदूषण में अपना योगदान दिया है, जिसके कारण कई गंभीर बीमारियों ने जन्म लिया है।

दूसरे कारको के तरह ही आज के समय में प्लास्टिक भी प्रदूषण फैलाने में काफी अहम योगदान देता है। प्लास्टिक जिसे तेल और पेट्रोलियम जैसे जीवाश्म ईंधन से प्राप्त किया जाता है। इसका उपयोग बड़े रूप मे प्लास्टिक बैग, रसोई का सामान, फर्नीचर, दरवाजे, चद्दर, पैकिंग के सामान के अलावा अन्य कई चीजो को बनाने के लिये किया जाता है। लोग प्लास्टिक से बने सामानो को लेना ज्यादे पसंद करते है क्योंकि यह लकड़ी और धातु के वस्तुओं के तुलना में काफी हल्के और किफायती होते है।

ज्याद ही हानिकारक है। इनक निर्माण स लेकर इनके निस्तारण तक यह प्लास्टिक बैग मानव स्वास्थ्य के लिये संकट ही उत्पन्न करते है।

प्लास्टिक बैग के उपयोग पर सबसे पहले सरकार को प्रतिबंध लगाना चाहिए। गौरतलब है कि प्लास्टिक बैग का उत्पादन विभिन्न कंपनियों में किया जाता है। वे सभी कंपनिया सरकार की इजाजत के बाद ही संवैधानिक तौर पर प्लास्टिक का उत्पादन करती हैं। यदि ऐसी कंपनियों पर प्रतिबंध लगा दिया गया तो ये कम्पनियां प्लास्टिक का निर्माण बंद कर देंगी जिसके बाद प्लास्टिक की समस्या लगभग खत्म हो सकती है। प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाने के लिए सरकार का इन कंपनियों को बंद करने के साथ साथ जरूरी कानून बनाना भी अनिवार्य है ताकि काला बाजारी के चलते भी प्लास्टिक का उपयोग न किया जा सके।

इस तरह का कानून किसी भी तरह की सजा या जुर्माने के रूप में बनाया जा सकता है, जो कि सीधे तौर पर लोगों को प्लास्टिक के प्रयोग पर और कंपनियों को प्लास्टिक के निर्माण पर रोक देगा।

(ग) कृत्रिम बुद्धिमता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेस) का दौर

- कृत्रिम बुद्धिमता क्या है? कैसे काम करती है?
- वर्तमान मे इसका प्रचार–प्रसार अधिक कैसे हुआ?
- इसके लाभ और खतरे, हमारे जीवन पर प्रभाव

5. **(a)** आप पाखी /पंकज है जो एक मैनेजमेंट कॉलेज में पढ़ते है। आपके छोटे भाई / बहन की दसवीं की परीक्षा है। उसे लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखकर परीक्षा की तैयारी के विषय मे समझाए। **5**

उत्तर

अनौपचारिक पत्र

परीक्षा भवन
पिन कोड – 324006
दिनांक – 18 मई 2022
प्रिय भाई,
स्नेहाशीष ।

मै यहाँ पर सकुशल हू और आशा करता हू कि ईश्वर की कृपा से आप भी वहाँ सकुशल होगे। दो दिन पहले पूर्व तुम्हारा पत्र प्राप्त हुआ जिसमें आपने आगामी 15 दिन बाद दसवीं परीक्षा शुरू होने की बात कही। उसकी परीक्षा को लेकर में आपको कुछ आवश्यक सुझाव देना चाहता हू कि आप परीक्षा के दिनों में खूब मेहनत तो करे लेकिन अपने स्वास्थ्य का विशेष ध्यान भी रखे मानसिक स्वास्थ्य के लिए पूर्ण निद्रा निहा लेने की आवश्यकता है और पाठ्यक्रम के एक–एक अध्याय के लिए पूर्ण तत्परता से पूर्ण अभ्यास करे।

अतः आपसे कहना चाहता हू कि जैसे हमने आपसे उम्मीद लगा रखा है उस पर आप खरे उतरेगे।

सधन्यवाद
आपकी शुभचिंतक
पंकज

अथवा

(b) आप सुशील / सुशीला और एक रिहायशी सोसायटी में रहते हैं। इसमें किसी घर में एक व्यक्ति ने दफ्तर खोल लिया है । उससे होने वाली असुविधा के बारे में बताते हुए और रिहायशी सोसाइटी के नियमों से उसे अवगत कराने का अनुरोध करते हुए सोसायटी के सचिव को लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए।

6. **(क)** (a) आपके बड़े भाई ने बेकरी की एक दुकान खोली है। उसके लिए 50 शब्दों में एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए। **2½**

अथवा

(b) आपकी बहन का एक थिएटर–समूह है। वे इस शहर में अपने नए नाटक का मंचन करने जा रही है। उसके प्रचार–प्रसार के लए लगभग 50 शब्दों में एक आकर्षक विज्ञान तैयार कीजिए। **2½**

उत्तर– (a)

कन्फेक्शनरी की दुकान

हमारे यहाँ सभी खाने की वस्तुएँ शुद्ध एवं ताजा बनाई जाती है।
पेकिंग की सुविधा उपलब्ध है।
सभी प्रकार के केक बनाए जाते है।

MRP पर 10% छूट

100% शुद्धता की गारंटी

(ख) (a) मुख्य चुनाव आयुक्त की ओर से 50 शब्दों का एक विज्ञापन तैयार कीजिए जिसका विषय है– ''मतदान : प्रत्येक नागरिक का अधिकार और कर्तव्य |

अथवा

(b) आपकी सोसायटी के पास ठेले लगाने वाले व्यक्ति का 10 वर्षीय बच्चा गुम हो गया है। उसके लिए अखबार में 'खोया–पाया कॉलम के अंतर्गत एक विज्ञापन 50 शब्दों में तैयार कीजिए।

उत्तर–(b)

लापता

दिनांक : 25 जुलाई, 2021
सोसायटी के सभी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि मेरा पुत्र राजू जिसकी उम्र –10 वर्ष एवं कद 3.5 इंच रंग गौरा है। और उसने लाल रंग की टी–शर्ट पहन रखी है। वह दिनांक 22 जुलाई 2021 से लापता है। जिसको को भी मिले तुरंत सूचित करें।

नाम– मोहन लाल
सम्पर्क सूत्र – 9415XXXX

7. **(क) (a)** विदेश में रहने वाले अपने चाचा–चाची को नव वर्ष की शुभकामना का संदेश लगभग 40 शब्दों में लिखिए। **2½**

उत्तर **(क) (a)**

संदेश–लेखन

दिनांक : 30 दिसेबर 2021

समय : रात्रि 11 : 58 बजे

''नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ''

आदरणीय चाचा व चाची

नववर्ष की पावन बेला में आपको, मेरी यही शुभकामनाएँ है कि प्रत्येक दिन आपके जीवन में शुभ संदेश लाएँ। आपको मेरी और से नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ।

आपका भतीजा

प्रवीण कुमार

अथवा

(b) अपनी कक्षा के प्रतिनिधि के रूप में सभी सहपाठियों को आगामी बोर्ड की परीक्षा के लिए शुभकामना का संदेश लगभग 40 शब्दों दीजिए। **2½**

अथवा

(ख) (a) आपके मित्र ने नीट की परीक्षा में राज्य में तीसरा स्थान प्राप्त किया है। उसे बधाई देते हुए लगभग 40 शब्दों में एक संदेश लिखिए। **2½**

उत्तर – (a)

संदेश–लेखन

दिनांक : 18 मई 2022
समय : रात्रि 8 : 58 बजे

बधाई संदेश

प्रिय मित्र
मै तुम्हे नीट की परीक्षा में राज्य मे तीसरा स्थान पर आने की बधाई देता हूँ एवं मुझे तुमसे ऐसी ही आशा है तथा मुझको तुम पर पूरा विश्वास है कि तुम इसके बाद भी अध्ययन जारी रखोगे एवं उसी प्रकार की कठिन परिश्रम के द्वारा प्रत्येक परीक्षा में ऐसे ही उच्च सफलता प्राप्त करोगे। उससे हम सब मित्र व परिवार का गौरव भी बढेगा।

तुम्हारा मित्र

गौरव जैन

अथवा

(b) चेन्नई निवासी अपने मित्र को पोंगल के अवसर पर लगभग 40 शब्दों में एक बधाई संदेश लिखिए।